संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेव्हल्स
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईंस, गोंदिया

साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**
वर्ष : 1 | अंक : 23 | गोंदिया : गुरुवार, 14 जनवरी 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

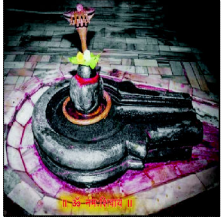

हादसों के लिए जिम्मेदार कौन? सजगता पहले या घटना के बाद

मासुमों की मौत के बाद कार्यवाई के नाम पर एक-दुसरे पर दोषारोपण

नवीन अग्रवाल- भंडारा जिले के जिला शासकीय चिकित्सालय के एस.एन.सी.यु. वार्ड में शनिवार की सुबह लगी आग से १० मासूम असमय काल के गाल में समा गए। उपरोक्त घटना के पश्चात शासन व प्रशासन द्वारा जांच कार्यवाई शुरु की गई है। लेकिन यदि कोई भी हादसों के पहले ही सजगता बरती जाए तो नुकसान को कम किया जा सकता है। लेकिन इस ओर सभी की अनदेखी के चलते दुर्घटना का रुप विकराल हो जाता है। जिसके लिए जिम्मेदार कौन?

गौरतलब है कि किसी भी घटना या हादसों को घटित होने से रोका तो नही जा सकता लेकिन यदि सजगता बरती जाए तो हादसों में होनेवाले भारी नुकसान को कम किया जा सकता है। लेकिन इस ओर सभी की अनदेखी के चलते इसका परिणाम भयंकर हो जाता है। भंडारा के जिला शासकीय चिकित्सालय के एस.एन.सी.यु. कक्ष में शनिवार ९ जनवरी की सुबह अचानक आग लग गई। जिसमें १० नवजातों की असमय ही मौत हो गई। यदि उपरोक्त घटना में समय पर सावधानी बरती जाती तो मौतो की संख्या को कम किया जा सकता था। इस घटना के पश्चात शासन व प्रशासन में हडकंप मचने के साथ ही जांच समितिओं व कार्यवाई का दौर शुरु हो चुका है। लेकिन अब क्या करे जब चिड़िया चुग गई खेत उपरोक्त घटना के प्राथमिक जांच के अनुसार सॉर्ट सर्किट से आग लगी बताया गया।। उस दौरान कक्ष में किसी भी चिकित्साकर्मी का न होना तथा आग लगने के पश्चात इसके बचाव के प्रशिक्षण की कमी के चलते भारी नुकसान हुआ है।

हादसों के लिए जिम्मेदार कौन?

चिकित्सालय जैसे संस्थानों पर किसी भी प्रकार के हादसे होने पर जांच समितियां नियुक्त की जाती है, मौते होने पर मुआवजा दिया जाता है। जनप्रतिनिधियों का पिड़ित परिवारों को संवेदना प्रगट करने का दौरा शुरु हो जाता है। कुछ दिन उस घटनाओं को लेकर पक्ष व विपक्ष में आरोपों का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन समस्यायों का समाधान नही निकलता तथा जांच समितियों की रिपोर्ट कुछ सालों के पश्चात सामने आती है। जिसमें लिपापोती कर फाइले या तो बंद कर दी जाती है, या किसी एक को दोषी साबित कर पुरा मामला उसी पर डाल दिया जाता है। लेकिन व्यवस्था में सुधार के लिए कोई भी पहल नही करता। जिससे हादसों के लिए कौन जिम्मेदार इसपर हमेशा ही प्रश्न चिन्ह निर्माण होता है।

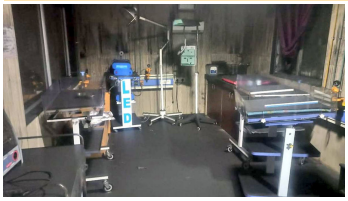

हादसों से कैसे निपटे प्रशिक्षण का अभाव

शासकीय चिकित्सालय एक महत्वपूर्ण संस्थान होता है। जहां हमेशा बड़ी संख्या में मरीज व नागरिक उपस्थित रहते है। जिसके चलते कभी-कभी एक मामूली हादसा भी घटित होने पर उसके परिणाम काफी बड़े होते है। जिसमें आग लगने जैसी घटना घटित होने पर वहां पर कार्यरत कर्मचारियोसें में इसका प्रशिक्षण व जानकारी का अभाव होने से तत्काल मदद नही कर पाते जिससे हादसों के असर को कम नही किया जा सकता।

चिकित्सालयों की बदहाल स्थिति

बदहाल स्थिति के लिए शासकीय चिकित्सालयों को पहले से ही जाना जाता है। चिकित्सालय की इमारतों का निर्माण होने के बाद उसके रख-रखाव की ओर भी अनदेखी की जाती है। जिसका समय पर फायर ऑडिट, विद्युत ऑडिट नही हो पाता जिससे वे उपकरण समय के साथ-साथ खस्ताहाल स्थिति में पहुंच जाते है। जिसके चलते दुर्घटना होने पर उसके परिणाम घातक हो जाते है।

टीलु पंप का उपयोग अधिक किए जाने से

नल जलापूर्ति योजना लड़खड़ाई

पानी चोरी करनेवालो पर कार्यवाई करने की मांग

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- ग्राम पंचायत द्वारा पिछले कई वर्षो से ग्राम येरंडी-देऊलगांव में नल जलापूर्ति योजना चलाई जा रही है। वर्तमान स्थिति में उक्त योजना के तहत लाभ लेनेवाले लाभार्थियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है तथा कई लोगो द्वारा योजना के तहत दिया जानेवाला पानी भी चोरी किया जा रहा है। जिसके चलते कनेक्शनधारक लाभार्थियों द्वारा ऐसे लोगो के नल जब्त कर कार्यवाई करने की मांग की गई है।

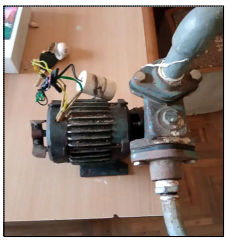

गांव में पिछले २५ वर्षों से नल-जल की आपूर्ति सुचारु रुप से चल रही है, लेकिन नल-जल योजना को समाप्त किया जा रहा है, क्योंकि ग्रामीणों ने चल रही जलापूर्ति योजना के लिए टिलुपंप का उपयोग करना शुरु कर दिया है। इससे पहले ग्राम पंचायत ने इस मुद्दे को सुलझाने और टिलुपंप को बंद कर इसे नियमित रुप से जारी रखने के लिए कहा था। टीलु पंप का उपयोग बड़े पैमाने में होने से इस गांव के वार्ड क्रमांक ३ के नलों से पानी कम आ रहा है। जिसके चलते उक्त जलापूर्ति योजना को बंद किया गया है। कनेक्शन धारक लाभार्थियों को भी इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। टिलुपंप द्वारा आपूर्ति किए जानेवाले पानी का अधिकांश उपयोग मोटर सायकल व मवेशियों के धोने में कर पानी की बर्बादी की जा रही है।

गांव में बार-बार निर्देश के बावजूद टिलुपंप का उपयोग करने वाले लोग नहीं मान रहे है। जिसके चलते अब टिलुपंप को जब्त जाएगा और नियमों के अनुसार कानूनी कार्यवाई की जाएगी।

- डब्ल्यू.एम. साकुरे,
ग्रामसेवक, येरंडी-देऊलगांव

पशु चिकित्सको के अभाव से मवेशियों की जान को खतरा

३५ चिकित्सालयों में कोई चिकित्सक नही

गोंदिया- जिले के ३५ पशु चिकित्सालयों में एक भी चिकित्सक नही होने से पशुओं की जान खतरे में आ गई है। एक ओर पशुपालन को बढ़ावा दिए जाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन पशु चिकित्सालय में चिकित्सक नही रहने से यह कैसा पशु संवर्धन ऐसा सवाल करते हुए शासन के प्रति नागरिकों द्वारा रोष व्याप्त किया जा रहा है। ज्ञात हो कि गोंदिया जिले में श्रेणी-१ के ४२ एवं श्रेणी- २ के ३० इस प्रकार कुल ७२ पशु चिकित्सालय सरकार द्वारा क्रियान्वित कर ४९ पशु चिकित्सकों के पद मंजूर किए गए है। लेकिन इसके बावजूद केवल १४ चिकित्सकों द्वारा ही ५ लाख से अधिक मवेशियों का उपचार कर रहे है। प्रथम श्रेणी के ४२ चिकित्सालय होने चाहिए थे। लेकिन सिर्फ १० चिकित्सालयों के कंधे पर पशु चिकित्सा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह गंभीर स्थिती पिछले १० साल से बनी हुई है। जिसके कारण बीमारियों से ग्रस्त मवेशियों की जान बचाने में पशुपालन करनेवालो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सालेकसा व अर्जुनी मोरगांव की स्थिति गंभीर

सालेकसा और अर्जुनी मोरगांव तहसील के किसी भी पशु चिकित्सालय में एक भी पशुधन विकास अधिकारी नही होने से यहां पशुसंवर्धन से संबंधित स्थिति कितनी गंभीर है यह सोच से परे है। समय पर चिकित्सक नही मिलने से पशुपालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ अधिकारियों को कराया अवगत

रिक्त पदों के संदर्भ में वरिष्ठों को समय-समय पर अवगत कराया जा रहा है। उपलब्ध चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों की मदद से अच्छी से अच्छी स्वास्थ्य सेवा देने का प्रयास किया जा रहा है।

-डॉ.कांतिलाल पटले
जिला पशुसंवर्धन अधिकारी,

११ महिनो में २६२ बालको मृत्यु

कुपोषण के मामलों में भी बढ़ोत्तरी

गोंदिया जिले के कई गांव नक्सल प्रभावित क्षेत्र में आते है। जिसके चलते यहां गर्भवति महिलाओं के स्वास्थ्य में चिकित्सकों द्वारा समय पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण गर्भपात में बालकों की मृत्यु तथा कुपोषण के मामलों में बढ़ोत्तरी होती दिखाई दे रही है। वहीं शहर के बाई गंगाबाई महिला चिकित्सालय में वर्ष २०२० के ११ महिनो में ही २६५ बालकों की गर्भपात के दौरान मृत्यु हो गई। गोंदिया जिले की ८ तहसीलों के लिए ४० प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, ९ ग्रामीण चिकित्सा तथा एक महिला चिकित्सालय गर्भवति महिलाओं की सुविधा हेतु बनाया गया है। गर्भवति महिलाओं पर समय पर योग्य ध्यान नहीं दिए जाने से सैकड़ो बालकों की मृत्यु हो रही है तथा कुपोषण के मामलों में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। पुरे जिले में एक ही महिला चिकित्सालय होने से सारी जिम्मेदारी इसी चिकित्सालय पर है तथा मध्यप्रदेश राज्य भी जिले की सीमा में सटा होने से यहां के लोग भी गर्भवति महिलाओं की प्रसुति के लिए बाई गंगाबाई महिला में आते है। उक्त चिकित्सालय में एक वर्ष में लगभग ७ हजार महिलाओं की प्रसुति की जाती है। अतिदक्षता कक्ष में उपचार के दौरान ९८ बालको की मौत हुई है। उसी तरह पिछले ११ महिनो में २६२ बालकों की मृत्यु है।

मंदिर-गिरजा जाना कैसा, पितृ चरण जब नमन हो गया

भिन्न भाषी साहित्य मंडल ने मनाया विश्व हिंदी दिवस

गोंदिया- भिन्न भाषी साहित्य मंडल गोंदिया के तत्वावधान में १० जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के अवसर में रात्रि ८ बजे गूगल मीट के माध्यम से एक सरस काव्य-गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें गोंदिया के वरिष्ठ कवि रमेश शर्मा, शशि तिवारी, छगन पंचे, सुरेश बंजारा, प्रमोद सोनी के अलावा चांपा के कवि अधिवक्ता महावीर सोनी, अलीगढ़ के डॉ. अनुज चौहान, नवांकुर साहित्य परिषद दिल्ली के देवानंद शर्मा, खेरागढ़ आगरा की डॉ. नीलम सिंह चाहर, इटखोरी झारखंड के राम राय ने अपने सुमधुर गीतों और कविताओं से काव्य-गोष्ठी को यादगार बना दिया।

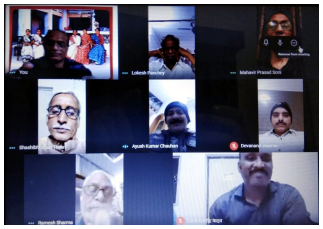

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रमोद सोनी ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का प्रारंभ श्री छगन पंचे की कविता से हुआ जिसमें उन्होंने आधुनिकता की दौड़ में गिरते लोक-व्यवहार पर चिंता जाहिर करते हुए कहा -

मोबाइल और दूरदर्शन ने दूर कर
दिया है सच्ची संवेदनाओं को
आपसी मेल-जोल का चलन
न मिले तो दुःख होता है।

शशि तिवारी ने अपने गीत, जनवरी-दिसंबर गिनते-गिनते दिन बीते के माध्यम से बीते हुए वर्ष २०२० की पीड़ा को बड़ी सुंदरता से वर्णित किया।

दूसरे दौर में प्रस्तुत उनके गीत - साथी रे चलो चलें दूर कहीं भाता नहीं कोलाहल ने बड़ी तेजी से कांक्रीट के जंगल में बदलते परिवेश के प्रति चिंता जाहिर की तो लगा कि ये पीड़ा तो जन-जन की पीड़ा है। गोंदिया के ही वरिष्ठ कवि श्री रमेश शर्मा ने हिंदी की स्थिति इन शब्दों में व्यक्त की -

निज आंगन में रही तिरस्कृत
विश्वान्चल में हुई पुरस्कृत उनके गीत मन कस्तूरी हिरण हो गया, ने साथी कवियों को मुग्ध कर दिया । विशेषकर उनकी इन पंक्तियों ने खूब दाद बटोरी -

मेरी काशी तेरा काबा,
कठमुल्ला और पंडित बाबा
मंदिर-गिरजा जाना कैसा,
पितृ चरण जब नमन हो गया।

चांपा के कवि अधिवक्ता महावीर सोनी ने अपनी मातृभूमि छत्तीसगढ़ की भूमि की वंदना करते हुए कहा - जय छत्तीसगढ़ महतारी, मोरी जय छत्तीसगढ़ महतारी, भारतमाता के प्रदय पर तोर महिमा है महाभारी। अलीगढ़ के कवि डॉ. अनुज कुमार चौहान ने हिंदी भाषा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए कहा-

हिंदुस्तान का प्यार भंडार ज्ञान का
बंधन हो एकता का संसार ध्यान का

उपकार देवतुल्या, मन यह समष्टि हो। आगरा की कवियत्री डॉ. नीलम चाहर ने अपने सुमधुर स्वर में कृष्ण भक्ति से ओत-प्रोत भजन सुनकर भक्तिकाल की मीरा को सजीव कर दिया । उनके दोहों की बानगी देखिए -

श्याम रंग और पीत पट, मुरली अधर सुहाय
हे मनमोहन आइए, थक गई बाट निहार।।
प्रदय नाव परिपूर्ण है, तनिक न संशय होय,
जित देखू घनश्याम हैं, पीर न जाने कोय ।।

गोंदिया के सुप्रसिद्ध कवि सुरेश बंजारा ने अपनी हास्य गजलों से कवियों से खूब ठहाके लगवाए।

एक बानगी देखें-

होटल का कमरा छोड़ने से पहले
मैंने एक जरुरी काम कर डाला।
खिड़की के पर्दे से जूते पांछे और
कागद के टुकड़ों को बेड पर डाला।

इटखोरी, झारखंड के कवि श्री राम राय ने गीत ऐ मेरी कलम लिख दे, मेरी फुलकुमारी का नाम का सस्वर पाठ कर काव्य गोष्ठी को श्रृंगार रस की चुलबुली मिठास में डुबो दिया । कवि प्रमोद सोनी ने अपनी कविता कवि तू अपनी कलम निकाल द्वारा कवियों से आग्रह किया कि वे समसामयिक परिस्थितियों के अनुरुप लोगों और व्यवस्था को झंझोड़ने के लिए अपनी कलम का उपयोग करें । करीब २ घंटे चली इस काव्य गोष्ठी में गोंदिया के वरिष्ठ साहित्य प्रेमी राम कुन्दनानी के विगत सप्ताह हुए आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

श्री शशि तिवारी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न इस काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्री रमेश शर्मा ने तथा आभार प्रदर्शन प्रमोद सोनी ने किया।

संपादकिय

बदइंतजामी की लपटें

सरकारी अस्पतालों में बदइंतजामी, लापरवाही, मरीजों के साथ बदसलूकी वगैरह को लेकर अंगुलियां उठती रहती हैं। मगर विडंबना है कि स्वास्थ्य संबंधी अनेक योजनाएं और देश की बड़ी आबादी इन्हीं के भरोसे है।

महाराष्ट्र के भंडारा जिला अस्पताल में लगी आग से दस नवजात शिशुओं की मौत ने एक बार फिर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर से लोगों का भरोसा कमजोर कर दिया है। इस अस्पताल के बच्चों की विशेष देखभाल के लिए बने कक्ष में सत्रह बच्चे भर्ती थे। उस कक्ष में बीते शुक्रवार की रात आग लग गई।

जब तक बचाव के उपाय किए जाते, तब तक आग और धुएं में दस बच्चों ने दम तोड़ दिया। सात बच्चों को बचा लिया गया। अनुमान है कि बिजली के तारों के आपस में जुड़ कर जल उठने की वजह से आग लगी होगी। यह पहली घटना नहीं है, जब इस तरह आग लगने या उपकरणों में खराबी आने के चलते नवजात शिशुओं को जान गंवानी पड़ी। अनेक अस्पतालों में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। बिहार और गुजरात, यहां तक कि दिल्ली के कुछ अस्पतालों के पालनाघरों में उपकरणों में खराबी की वजह से कई बच्चों के मारे जाने के उदाहरण हैं।

सरकारी अस्पतालों में रखरखाव संबंधी गड़बड़ियां आम हैं। इसकी मुख्य रुप से दो वजहें हैं। एक तो उनमें रखरखाव और नए उपकरणों की खरीद आदि के मद में पर्याप्त धन का न होना। इसके चलते पुराने और लगभग अनुपयोगी हो चुके उपकरणों को जैसे-तैसे सुधार कर काम चलाया जाता है। बिजली उपकरणों के मामले में भी यही कारण प्रमुख होता है।

पुराने पड़ गए तारों को बदलने की जरुरत नहीं समझी जाती। आजकल बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आधुनिक उपकरण आ चुके हैं, जो तारों के गरम होकर जल उठने की स्थिति में स्वत: बिजली काट देते हैं। मगर सरकारी भवनों में ऐसे उपकरणों की उम्मीद बेमानी ही कही जा सकती है।

इसके पीछे दूसरा प्रमुख कारण है, सरकारी कर्मचारियों का अपने कर्तव्यों के प्रति संजीदा न होना। इसी के चलते न सिर्फ आग लगने, बल्कि अस्पतालों में आक्सीजन की कमी, गलत दवाएं देने, मरीज का समय पर इलाज न शुरु करने आदि के चलते कई मरीज दम तोड़ देते हैं।

अस्पतालों में नवजात शिशुओं के लिए बने कक्ष और गहन चिकित्सा कक्ष बेहद संवेदनशील जगहें होती हैं। उनमें उपकरणों के रखरखाव पर विशेष ध्यान रखने की अपेक्षा होती है। मगर अस्पताल प्रबंधन इस तकाजे को नहीं समझता, जिसका नतीजा होता है कि हर साल अनेक बच्चे नाहक अपनी जान गंवा देते हैं।

ऐसी घटनाओं के बाद आमतौर पर कुछ कर्मचारियों की बर्खास्तगी, पीड़ित परिवारों को मुआवजे की घोषणा आदि करके काम पूरा समझ लिया जाता है। भंडारा जिला अस्पताल में हुई घटना के बाद भी वही सब दोहराया गया। मगर ऐसी घटनाएं हमारे लिए एक सबक की तरह होनी चाहिए, ताकि दूसरी जगहों पर इन्हें दुहरने से रोका जा सके।

कम से कम बिजली उपकरणों की वजह से आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए तो अत्याधुनिक उपकरण लगाए ही जा सकते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं, तब बार-बार रेखांकित किया जाता है कि सार्वजनिक अस्पतालों के कर्मचारियों को संवेदनशील और उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए। इसके लिए केवल कठोर दंड उपाय नहीं हो सकता। उनके नियमित प्रशिक्षण की भी जरुरत है। वरना इस तरह अपने नवजात शिशुओं को खोकर बिलखते लोगों का दर्द उन्हें शायद कभी महसूस नहीं होगा।

बर्ड फ्लू के बारे में अफवाहें और गलत सूचना न फैलाएं -मुख्यमंत्री ठाकरे

प्रशासन नागरिकों को उचित और उद्देश्यपूर्ण जानकारी दें

मुंबई – बर्ड फ्लू के बारे में अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए प्रशासन नागरिकों को उचित और उद्देश्यपूर्ण जानकारी प्रदान करनी चाहिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि घबराने की कोई बात नहीं क्योंकि यह बीमारी इंसानों में नहीं फैलती है।

मुख्यमंत्री ठाकरे ने वर्षा निवास के समिति हॉल में राज्य में बर्ड फ्लू के बारे में स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री सुनील केदार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, प्रमुख सचिव पशुपालन अनुपकुमार, पशुपालन आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विकास खड़गे उपस्थित थे।

ठाकरे ने बर्ड फ्लू के मुद्दे की समीक्षा की और राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को तुरंत वीसी के माध्यम से बर्ड फ्लू के संक्रमण का ध्यान रखने का निर्देश दिया। इस संबंध में निर्देशों को गंभीरता से लागू करने के निर्देश दिए। बीमारी के तत्काल निदान के लिए राज्य में पशुपालन के लिए अत्याधुनिक बायोसेक्योरिटी लेवल ३ प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए फंड उपलब्ध कराया जाएगा। उसकी कार्रवाई तत्काल की जाए उन्होंने जनता से अपील की कि, वे उन क्षेत्रों में ७० डिग्री से ऊपर अंडे और मांस पकाने के खतरों के बारे में गलत धारणाएं और अफवाहें न फैलाएं, जहां बर्ड फ्लू का प्रकोप नहीं है।

पशुपालन आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि परभणी में ८४३ मुर्गीयों, ठाणे में बगुले और अन्य पक्षियों में बर्ड फ्लू की रिपोर्ट, रत्नागिरी में ९ कौवे, एच५एन१ और बीड़ में ११ कौवे को एच५एन८ के रुप में रिपोर्ट किया गया है। शेष स्थानों की रिपोर्ट भोपाल से प्राप्त की जानी है।

पशुपालन विभाग ने फील्ड अधिकारियों को बर्ड फ्लू के दिशानिर्देश भेजे हैं। वीसी ने फील्ड अधिकारियों को केंद्र सरकार की कार्ययोजना के अनुसार इन निर्देशों को गंभीरता से लागू करने का निर्देश दिया है। नियंत्रण कक्ष ७ जनवरी से स्थापित किया गया है, और पक्षियों के बारे में जानकारी मंगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पक्षियों के नमूने भोपाल स्थित प्रयोगशाला में भेजने के निर्देश भी दिए गए।

कोरोना टीकाकरण पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संवाद

टीकाकरण अभियान को करें सफल : उद्धव ठाकरे

मुंबई – पूरे देश में १६ जनवरी से कोरोना टीकाकरण का महाअभियान शुरु हो रहा है। जिसके अंतर्गत महाराष्ट्र में यह अभियान सफलतापूर्वक संपूर्ण हो इस मामले में सभी यंत्रणा आपसी तालमेल कर केंद्र के दिशा निर्देशानुसार किया जाए ऐसा निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दीया। इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से टीकाकरण के संदर्भ में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री निवास वर्षा के सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग, टास्क फोर्स की आयोजित सभा में टीके की उपलब्धता उसका परिवहन, भंडारण व टिका देने की तैयारी के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की, जिसे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. प्रदीप व्यास ने दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे विश्व में सबसे बड़ा यह अभियान देश में हो रहा है। जिसके लिए राज्य में तैयारियां हो चुकी है। जिसके लिए सभी यंत्रणा आपसी तालमेल कर इस अभियान को सफल बनाएं। पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मचारियों को दूसरे चरण में सुरक्षाकर्मियों जिसमें पुलिसकर्मी, सफाई कर्मी, केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तथा फ्रंटलाइन वर्कर्स को टीका लगाया जाएगा। जिसके परिवहन व उसके दिशा निर्देशानुसार तापमान में रखे जाने के मामले में सतर्कता व सावधानी रखें। इसके साथ ही आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी दी कि भारत में मंजूरी दिए गए टीके में से २ टीकों का निर्माण देश में ही हुआ, जिसका उन्हें गर्व है। साथ ही यह दोनों टीके विश्व के अन्य देशों की अपेक्षा कम कीमत के हैं। देशभर में प्रथम चरण गट १ व २ के अंतर्गत करीब ३ करोड़ लोगों को टीका लगाया जाएगा। जिसके लिए राज्यों को केंद्र शासन के मार्फत आपूर्ति की जाएगी। इसके पश्चात ५० वर्ष या उससे अधिक के नागरिकों का टीकाकरण किया जाएगा एवं टीकाकरण के संदर्भ में अफवाहों पर प्रतिबंध लगाने के लिए विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है, इस प्रकार का आहवान प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से किया।

इस अवसर पर गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, मुख्यमंत्री के अपर सचिव आशीष कुमार सिंह, प्रधान सचिव विकास खारगे, वैद्यकीय शिक्षा विभाग के सचिव सौरव विजय, टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ. संजय ओक, सदस्य डॉ. शशांक जोशी, वैद्यकीय शिक्षा संचालक डॉ. तात्या राव लहाने आदि उपस्थित थे।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें ।

– सम्पादक

अस्तेय के बाद में आता है, ब्रम्हचर्य

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

ब्रम्हचर्य योग के साधानों में उपयोगिता की दृष्टि से ब्रम्हचर्य का प्रथम स्थान है। यमों में इसकी गणना चतुर्थ स्थान पर है।

ब्रम्हचर्य– वेदों का पढ़ना ईश्वर की उपासना करना अर्थात ब्रम्ह में आचरण करना और वीर्य की रक्षा करना ब्रम्हचर्य कहलाता है। जब योगी मन-वचन-शरीर से ब्रम्हचर्य का दृढ़तापूर्वक पालन कर लेता है, तब वैदिक शारिरिक बल की प्राप्ती होती है। उससे वह अपनी तथा अन्यों की रक्षा करने में, विद्या प्राप्ती तथा विद्यादान में समर्थ हो जाता है। ब्रम्हचर्य के पालन से शारिरिक और बौद्धिक बल की प्राप्ती होती है। शरीर का बल बढ़ने से शरीर निरोग एवं दीर्घ आयु होता है और उत्तम स्वास्थ्य को प्राप्त करता है। बौद्धिक बल के बढ़ने से व अतिसुक्ष्म विषयों को जानने में और अन्यों को विद्या पढ़ाने में सफल हो जाता है। इसलिए ऋषियों ने भी कहा है-

ब्रम्हचर्य प्रतिष्ठायां वीर्य लाभ:॥ पा.यो.२/३८

अर्थात- अर्थव वेद १९/५/५९ में कहा गया कि ब्रम्हचर्य के तप से देवता और मृत्यु को जीत लेते है। महाभारत में भीष्म, युधिष्ठिर से कहते हैं- हे राजन, तु ब्रम्हचर्य के गुण सुन, जो मनुष्य इस संसार में जन्म से लेकर मरन पर्यंत ब्रम्हचारी होता है, उसको कोई भी शुभ-अशुभ अप्राप्य नहीं रहता। ऐसा तु जान कि जिसके प्रताप से अनेक करोड़ों ऋषि, ब्रम्हलोक अर्थात सर्वनिम्न स्वरुप परमात्मा में वास करते है और इस लोक में भी अनेक सुखों को प्राप्त करते हैं, जो निरंतर सत्य में रमन, जितेंद्रिय, शांत, आत्मा, उत्कृष्ट गुण, स्वभावयुक्त और रोगरहित पराक्रम युक्त शरीर, ब्रम्हचर्य अर्थात वेदादि सत्य, शास्त्र और परमात्मा आदि की उपासना का अभ्यास कर्मादि करते हैं, वे सब बुरे काम और दुखों को नष्ट कर सर्वोत्तम धर्म युक्त कर्म और सब सुखों की प्राप्ती कराने हारे होते है और इन्हीं के सेवन से मनुष्य उत्तम अध्यापक और उत्तम विद्यार्थी हो सकते हैं।

ब्रम्हचर्य के विपरित कर्म व्यभिचार कहलाता है। आज समाज में यह रावण विकराल रुप धारण कर समाज में अनैतिकता फैला रहा है। जिसके दुष्कर परिणामों से सभी परीचित हैं। भोगवाद की व्यभिचारी रुपी लहर में बहकर युवक-युवती अपना पुरा जीवन बर्बाद कर लेते हैं, आदि कच्ची उम्र में बलात्कार जैसे घृणीत पाप कर डालते हैं। जिसके कारण पुरा जीवन अंधकारमय हो जाता है। इसी व्यभीचार रुपी रावण के कारण न जाने कितनों का जीवन बर्बाद हो रहा है। और कितनों का होंगा इसलिए ब्रम्हचर्य रुपी उत्त नियम के पालन से इस रावण का नाश किया जा सकता है।

अपरिग्रह– महर्षि पतंजलि ने पंचम स्थान पर अपरिग्रह का परिगमन किया है। महर्षि व्यास ने अपरिग्रह को इस प्रकार परिभाषित किया है-

अवशयाणामर्जनरक्षणक्षयसंगहिंसा दोषदर्शनादस्वीकरणमपरिग्रह:॥

यो.व्या.भा. २/३०

अर्थात- विषयों का संग्रह करने में उनकी रक्षा व नाश में सर्वत्र हिंसा रुप दोष को देखकर स्वीकार न करना अपरिग्रह कहलाता है। विषयों में उपार्जन, रक्षण क्षय संग हिंसा दोष देखकर विषय भोग की दृष्टि से उसका अनुग्रह करना अर्थात अनावश्यक वस्तु और अभिमान आदि हानिकारक, अनावश्यक, अशुभ विचारों को त्याग देना अपरिग्रह है। जो वस्तु अथवा विचार ईश्वर प्राप्ती में बाधक है। उन सब का परित्याग और जो वस्तु विचार ईश्वर प्राप्ती में साधन है, उनका ग्रहण करना अपरिग्रह है।

आज के समाज में अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तु का संग्रह करने की होड़-सी लगी हुई है। भोगवाद की लहर में बहकर हम जीवन के वास्तविक उद्देश्य को भुल गए हैं। एक मशीन की भांति वस्तुओं को संग्रह करने के पीछे भाग रहे हैं। जिससे व्यक्ति मानसिक तनाव, दुख, भय आदि का शिकार होकर अपने जीवन को साक्षात नर्क बनाए हुए है। हमारे चारों ओर इसके उनेक उदाहरण मिलेंगे। कोई काला बाजारी करता है, ताकि सुख मिले, क्या सुख मिलेंगा? कोई धोखे से किसी की संपत्ती पर कब्जा कर रहा है, क्या सुख मिलेंगा? बिलकुल नहीं कोई दिन-रात एक कर धन इकट्ठा करने में लगा हुआ है। पर उसे यह नही मालूम की एक सीमा के पश्चात यह धन एक प्रकार का बोझ ही है। जिसके रक्षण में हमें दुख उठाने पड़ते हैं। हमारे देश के नेता और बड़े व्यापारी इसके साक्षात उदाहरण है कि इतनी धन संपत्ती को इकट्ठा करने के बावजूद घोटाले पर घोटाले किए जा रहे हैं। अंत में सबकुछ छोड़कर मृत्यु को ही तो प्राप्त करना ही है। अगर समाज अपरिग्रह के संदेश को समझ ले तो सभी सुखी हो सकते हैं। महर्षि पतंजलि ने अपरिग्रह का फल बताते हुए योग शास्त्र में कहा है-

अपरिग्रहस्थैर्य जन्मकथन्तासम्बोध:॥ पा.यो. २/३९

अर्थात- अपरिग्रह के पालन हो जाने पर योगी जान जाता है कि वह कौन है, कहां से आया है, और उसे क्या करना चाहिए? इत्यादि। शुभ गुणों का विचार कर योगी भौतिक पदार्थों का संग्रह नहीं करता है। किंतु जिस आत्मबोध के होने से जन्म-मरण के बंधन से छुटकारा मिलता है। वह उस स्थिति को प्राप्त कर लेता है।

मकर संक्रान्ति

मकर संक्रान्ति भारत का प्रमुख पर्व है। मकर संक्रान्ति पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रुप में मनाया जाता है। पौष मास में जब सूर्य मकर राशि पर आता है तभी इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है।

तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रुप में मनाते हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रान्ति ही कहते हैं, मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायणी भी कहते हैं, यह भ्रान्ति है कि उत्तरायण भी इसी दिन होता है। किन्तु मकर संक्रान्ति उत्तरायण से भिन्न है।

मकर संक्रान्ति का महत्व

शास्त्रों के अनुसार, दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि अर्थात् नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात् सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इसीलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुन: प्राप्त होता है। इस दिन शुद्ध घी एवं कम्बल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है। जैसा कि निम्न श्लोक से स्पष्ट होता है-

माघे मासे महादेव: यो दास्यति घृतकम्बलम।
स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्षं प्राप्यति॥

मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। सामान्यत: सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छ:-छ: माह के अन्तराल पर होती है। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। मकर संक्रान्ति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में होता है अर्थात् भारत से अपेक्षाकृत अधिक दूर होता है। इसी कारण यहां पर रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं तथा सर्दी का मौसम होता है। किन्तु मकर संक्रान्ति से सूर्य उत्तरी गोलार्ध की ओर आना शुरु हो जाता है। अतएव इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा गरमी का मौसम शुरु हो जाता है। दिन बड़ा होने से प्रकाश अधिक होगा तथा रात्रि छोटी होने से अन्धकार कम होगा। अत: मकर संक्रान्ति पर सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना जाता है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चेतनता एवं कार्य शक्ति में वृद्धि होगी। ऐसा जानकर सम्पूर्ण भारतवर्ष में लोगों द्वारा विविध रुपों में सूर्यदेव की उपासना, आराधना एवं पूजन कर, उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की जाती है। सामान्यत: भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियां चन्द्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किन्तु मकर संक्रान्ति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है। इसी कारण यह पर्व प्रतिवर्ष १४ जनवरी को ही पड़ता है।

मकर संक्रान्ति का ऐतिहासिक महत्व

ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूंकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अत: इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिये मकर संक्रान्ति का ही चयन किया था। मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : धन की कोई दिक्कत नहीं होगी। बातचीत के जरिए गलतफहमियों को दूर करें। कार्यक्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। सही खानपान से फिट व हेल्दी रहेंगे। छुट्टियां मनाने का मौका मिल सकता है। किसी की देखादेखी न करें और न ही किसी की खुशामद करें।

वृषभ : अपनी विशेषज्ञता के बल पर आगे बढ़ने के सुनहरे मौके मिलेंगे। आर्थिक सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी हो रही है। घर या वाहन की खरीदारी, कर्जा लेने की कोशिश कामयाब होगी। किसी भी बात पर वे आसानी से रजामंदी दे सकते हैं।

मिथुन : लोन चुकाना है तो खर्चों में कटौती तो करनी ही पड़ेगी। घरवालों के साथ समय बिताएं। जिस खबर का आपको इंतजार था, वह मिल सकती है। सेहत संबंधी सभी चिंताएं दूर होंगी। किसी काम के लिए ज्यादा उतावलापन न दिखाएं। जहां तक हो सके, विवादों से दूर रहें।

कर्क : विनम्रता अपनाएं, वाणी को नियंत्रित करें। अन्यथा आपकी छवि धूमिल हो सकती है। प्रापर्टी खरीदने या बेचने में जल्दबाजी न करें। छात्रों का सफलता मिलेगी।

सिंह : दूरदर्शिता से आर्थिक संकट दूर होंगे। घर का कोई सदस्य आपके प्रति कटुता पाल सकता है। आने वाले दिनों में सकारात्मक सोच के साथ किसी नई प्लानिंग पर काम शुरु हो सकता है।

कन्या : नए काम की शुरुआत करने में अड़चनें आएंगी। रिटेलरों के मुनाफे में कमी आएगी। बीमार जातकों की सेहत में सुधार हो रहा है। कार्यक्षेत्र में बदलाव होने संभव हैं।

तुला : प्रेम संबंध टूटने पर उदासी बनी रहेगी। आत्मविश्वास में गिरावट का अनुभव कर सकते हैं। रीयल इस्टेट से जुड़े लेन-देन में फायदा होगा। इस दौरान आपको कोई नया काम शुरु नहीं करना चाहिए।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में होने वाले लाभ के बारे में सोचेंगे। हॉस्पिटैलिटी से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल समय है। रुठे दोस्तों को मनाने में भी आप सफल रहेंगे। जो लोग प्रापर्टी खरीदना चाहते हैं, वे थोड़ा इंतजार कर लें।

धनु : धन संबंधी चिंता बेचैन कर सकती हैं लेकिन इस बात से आश्वस्त रहें कि हालात बेकाबू नहीं होंगे। कार्यक्षेत्र में चुनौतियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहेंगे। छात्रों की परफॉर्मेंस बेहतरीन बनी रहेगी। खान-पान का ध्यान रखना शुभ रहेगा।

मकर : प्रापर्टी बेचने पर मोटा मुनाफा हो सकता है। धन का निवेश सूझबूझ से करें ताकि भविष्य में लाभ हो सके। किसी बीमारी से छुटकारा पाना मुश्किल लग रहा है। निजी जीवन में अपनी जिद पर न अड़े रहें।

कुंभ : महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का सप्ताह है। आपके संबंध मजबूत हो रहे हैं। गृहिणियों के लिए सुखद समय है। लंबे समय से लंबित मुकदमेबाजी और अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे।

मीन : घर में किसी खास समारोह के लिए आप दिन-रात काम करेंगे। निवेश करने से पहले जानकार लोगों से सलाह लें। विवाहयोग्य जातकों के लिए उचित प्रस्ताव आएंगे। सभी अधूरे काम पूरे करें। थकान रहेगी, मौसमी बीमारी से परेशानी हो सकती है।

भरनोली जंगल परिसर में नक्सलियों द्वारा हमले के लिए छुपाया गया विस्फोटक बरामद

- पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में गोंदिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई
- चुनावों के दौरान पुलिस दल पर हमला करने का उद्देश्य

गोंदिया जिले के पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने के बाद से नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के नेतृत्व में निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में नक्सलियों द्वारा हमला करने के उद्देश्य से छुपाया गया विस्फोटक पदार्थ बरामद किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत १० जनवरी को अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी को गुप्त जानकारी प्राप्त हुई की केशोरी पुलिस थाना अंतर्गत जंगल परिसर में आगामी ग्राम पंचायत व जिला परिषद चुनाव के दौरान पुलिस दल पर हमला कर जान से मारने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा विस्फोटक सामग्री छुपाई गई है। जिसके पश्चात पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ,अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, उपविभागीय पोलीस अधिकारी देवरी जालिंदर नालकुल के नेतृत्व में सी-६० पथक नवेगांव बांध, सशस्त्र चौकी भरनौली के अधिकारी, बी. डी. डी. एस पथक, स्वान पथक के माध्यम से अभियान चलाया गया। जिसमें भरनोली जंगल परिसर के बोरटोला से धानोरी पहाड़ी के उतार भाग में पत्थरों के बाजू में संदेहास्पद वस्तु पाए जाने पर जिसकी जांच किए जाने पर एक जर्मन डब्बा १० किलो की छमता का जिसमें काले रंग का विस्फोटक पाउडर, लोहे के खिले, कांच, वायर पाया गया। उपरोक्त साहित्य जप्त कर पुलिस थाना केशोरी में अपराध क्रमांक ६/२०२१ धारा ३०७ सहायक धारा १८, २०, २३ यू. ए. पी. ए. सहायक धारा ४, ५ भारतीय विस्फोटक कानून के तहत नक्सलियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया तथा आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी देवरी जालिंदर नालकुल कर रहे हैं। उक्त अभियान पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल, केशोरी पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक इंगले भरनोली सशस्त्र चौकी के अधिकारी कर्मचारी, पुलिस उपनिरीक्षक मारण, नागरे, सी - ६० कमांडो पथक नवेगांव बांध, बी. डी. डी. एस. पथक गोंदिया के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा की गई जिनका अभिनंदन पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति में वृद्धि, मोदी सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय -राजकुमार बडोले

गोंदिया– केंद्र की मोदी सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति निधि में भारी बढ़ोतरी कर ५९ हजार करोड रुपए करने का निर्णय लिया है। जिससे उच्च शिक्षा व विदेशों में शिक्षा प्राप्त करना विद्यार्थियों का सपना साकार होगा। इस प्रकार की जानकारी ८ जनवरी को शासकीय विश्राम गृह में आयोजित पत्र परिषद में राज्य के पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने दी, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय समाज कल्याण मंत्री थावरचंद गहलोत का अभिनंदन किया। साथ ही उन्होंने बताया कि अब तक केंद्र सरकार की पीएमएस-एससी योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को दिए जाने वाली छात्रवृत्ति पर्याप्त नहीं थी तथा इसके वितरण में अनेक खामियां व भ्रष्टाचार की शिकायतें भी प्राप्त होती थी। केंद्रीय मंत्रीमंडल द्वारा छात्रवृत्ति निधि में गत ५ वर्षों में सबसे अधिक वृद्धि की है। जिसमें पारदर्शिक वितरण को सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों की पात्रता आधार पहचान पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक विवरण की पुष्टि होने के बाद निधि ऑनलाइन वितरित होगी। तथा आगे कहा कि वर्ष २०१७ से २०२० के दौरान अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रतिवर्ष ११ सौ करोड रुपए प्रदान किए जा रहे थे। जो अब आगामी ५ वर्षों में बढ़कर ६००० करोड रुपए प्रतिवर्ष दिया जाएगा। जिसमें केंद्र सरकार का हिस्सा ६० प्रश व राज्य सरकारों का हिस्सा ४० प्रश होंगा।

इसके पूर्व कांग्रेस प्रनीत यूपीए सरकार ने आंबेडकर-फुले-शाहू महाराज के नाम पर केवल राजनीति की है। जिन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर प्रयास नहीं किया जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना में भारी बढ़ोतरी कर छात्रों के उच्च शिक्षा का मार्ग खोल दिया है। जिसमें दसवीं के पश्चात पैसों की कमी के चलते उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों को एक स्वर्णिम अवसर प्रदान हो गया है। इस योजना का लाभ विद्यार्थियों द्वारा बड़ी संख्या में लेने का आवाहन राजकुमार बडोले द्वारा किया गया है। आयोजित पत्र परिषद में भाजपा जिला अध्यक्ष केशवराव मानकर जे. डी. जगनीत, शेषराव गिरेपुंजे, संजय टेभरे गुड्डू लिल्हारे, संजय कुलकर्णी आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय बैडमिंटन टुर्नामेंट संपन्न

गोंदिया– स्थानिय इंदिरा गांधी स्टेडियम में घनश्यामदास केलनका की स्मृती में दो दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट कराया गया। इस टूर्नामेंट में गोंदिया जिलें के अनेको दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने हिस्सा लिया यह मैच दो पूवर्ग में बाटा गया था खुला और ४० वर्ष के उपर खिलाड़ी ४० वर्षिय पूवर्ग डबल मे अखिल कुरैशी, निखिल भंडारकर प्रथम पुरस्कार विजेता रहें तो शंकर भदाड़े, मोहनीश ठाकरे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खुले पूवर्ग एकल में प्रथम मिहिर शर्मा तो द्वितिय पुरस्कार शिशिर चिचाड़े ने बाजी मारी। बैडमिंटन टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण प्रमोद घोगे (थानेदार, रामनगर पोलिस स्टेशन) के हस्ते किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिलन लिल्हारे, अनिकेत बोस, संजय मारवाडे, प्रभाकर पालांदुरकर, संजय मारवाडे व सरल सोनवणे ने अथक प्रयास किया।

युवाओं को नशे से दूर रखने मे खेल की अहम भूमिका - लक्ष्मण नागपुरे

गोंदिया– आज की युवा पीढ़ी ज्यादातर नशे के शिकार हो रहे हैं, इन्हें किसी भी तरीके से रोकना नामुमकिन हो गया है। लेकिन उन्हें खेल के माध्यम से ही व्यसनों से दूर रखा जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी अगर खेल में मग्न होकर जी जान से खेले तो अपने गांव का एवं अपने परिवार का नाम रोशन कर सकते हैं। आज खेल के माध्यम से कई युवकों ने अपनी जिंदगी सवार कर अपने परिवार का पालन भी किया है। इस तरह के विचार राष्ट्रवादी कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण नागपुरे द्वारा व्यक्त किया गया। वे एकता क्रिकेट क्लब झालिया द्वारा आयोजित रात्रिकालीन ओपन प्लास्टिक बॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कायक्रम के उद्घाटन के तौर पर लक्ष्मण नागपुरे एवं अध्यक्ष के रुप में हेमराज सुलाके उपस्थित थे। वर्तमान में सभी युवा सरकारी नौकरी के पीछे भाग कर कई साल व्यतीत कर देते किंतु कुछ युवकों का ही सरकारी नौकरी का लाभ मिल पाता है और बाकी युवक अपने जिंदगी के २३ साल बर्बाद कर देते हैं किंतु खेल से जुड़े हुए युवक और युवती पुलिस भर्ती मिलिट्री ट्रेनिंग और कई प्रायोगिक खेलों के द्वारा अपने जीवन में खेल को ही हम समझ कर अपने भविष्य को उज्ज्वल करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के युवकों में खेल में रुचि एवं कौशल्य होने के बावजूद भी सही मार्गदर्शन न मिलने से भी कई युवक एवं युवती अपने मुकाम हासिल नहीं कर पाते ऐसे टूर्नामेंट के माध्यम से युवाओं के कला गुणों को गति प्राप्त होती है। ऐसा कह कर लक्ष्मण नागपुरे ने आयोजकों की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के दौरान प्रमुख अतिथि रुप में सरपंच प्रतिभाताई बंसोड, उपसरपंच सुमीता नागपुरे, ग्राम पंचायत सदस्य मनोज दमाहे, हेमंत बनोठे, मनोज बनोठे, कुंजन नवगोडे, विकास भगत, अनीता शेंडे, शांति मस्करे, दिलवंती नवगोडे आदि उपस्थित थे।

विधायक कृष्णा गजबे ने परिवार को दी सांत्वना

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – ९ दिसंबर की रात भंडारा जनरल चिकित्सालय में आग लगने से १० मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में तहसील के मोरगांव की सुषमा पंधारी भंडारी की नवजात बेटी की आग में जलकर मौत हो गई थी। यह घटना हैरान करने वाली है। इस घटना की जानकारी अरमोरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कृष्णा गजबे को मिली जिसके पश्चात उन्होंने ने परिवार को सांत्वना दी। इस समस वाघड़े, सोनू रॉय, चेतन नारनवरे, योगेश बोरकर, यशवंत कुंभारे उपस्थित थे।

इंधन की बढ़ती दरों को लेकर सौपा ज्ञापन

संवाददाता आमगांव– पेट्रोल, डिजल व गैस के दर में बढ़ोत्तरी होने से सर्वसामान्य जनता को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते तहसील युवक राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा निषेध व्यक्त किया गया। इस संदर्भ में सोमवार को तहसीलदार डी. एस. भोयर को प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने से ही पेट्रोल, डिजल व घरगृती गैस की किमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा हुआ है। जिससे सामान्य जनता के दैनिय जीवन में आर्थिक परेशानी सामने आ रही है। उपरोक्त दर को कम करने हेतु तहसीलदार डी.एस. भोयर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर तहसील युवक राष्ट्रवादी कांग्रेस के अध्यक्ष तिरथ येटरे, तहसील सचिव संतोष श्रीखंडे, युवक शहर अध्यक्ष आनंद शर्मा, धनलाल मेंढे, सचिन ढेंगे युवक सचिव कमलेश बहेकार, यादव मेश्राम, विद्यार्थी उपाध्यक्ष आकाश बिसेन, उमेश भोंडेकर, गोकुल कोरे, सुमित कन्नमवार, अनिल किरसोरे, आदित्य मेश्राम, शुभम डोये, स्वपनिल कावड़े, देवराम भाऊ व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रदेश में बिल्डरों को कंस्ट्रक्शन पर ५० फीसदी प्रीमियम छूट

ग्राहकों भरनी होगी स्टाम्प ड्यूटी

मुंबई – महाविकास आघाड़ी सरकार ने प्रदेश के बिल्डरों को बड़ी राहत दी है। बिल्डरों को कंस्ट्रक्शन पर ५० फीसदी प्रीमियम (अधिमूल्य) छूट का लाभ दिया जाएगा। हलांकि इसके एवज में उनको ग्राहकों की स्टाम्प ड्यूटी भरनी होगी। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बुधवार को यह फैसला लिया गया। भाजपा ने यह कहते हुए इस फैसले का विरोध किया है कि बिल्डरों को लाभ पहुंचाने के लिए राजस्व का नुकसान किया जा रहा है। मंत्रिमंडल के फैसले के अनुसार राज्य के डेवलपर्स और बिल्डरों को प्रीमियम में ३१ दिसंबर २०२१ तक ५० फिसदी छूट दी जाएगी। जिस प्रोजेक्ट के लिए इस सहूलियत का लाभ लिया जाएगा, उसके ग्राहकों की स्टाम्प ड्यूटी बिल्डर को भरनी होगी।

राज्य सरकार ने प्रीमियम छूट का लाभ लेने वाले बिल्डरों पर घर खरीदने वालों की स्टाम्प ड्यूटी भरने की जिम्मेदारी डाली है। लेकिन बिल्डर कीमत बढ़ाकर इस रकम की वसूली ग्राहकों से ही कर सकते हैं। इस फैसले में आम आदमी को कोई लाभ नहीं होनेवाला है।

–आशीष शेलार, भाजपा विधायक

ग्राम पंचायत चुनाव पूर्व बैठक का आयोजन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– पिछले पांच वर्षों में भाजपा द्वारा बहुत से विकास कार्य किए गए हैं। रणनीतिक निर्णय करके आम आदमी को समृद्ध बनाने का प्रयास किया गया। इसके पूर्व अर्जुनी ग्राम पंचायत में कांग्रेस का शासन था। अनुभव में कमी विकासात्मक निर्णय लेने की क्षमता में कमी, अर्जुनी शहर कांग्रेस के नेतृत्व में विकास से वंचित था। सड़कों की कमी, नालों, बिजली, गंभीर जल संकट, शहर में झीलों का सौंदर्यीकरण, अतिक्रमणकारियों को वन भूमि का पट्टा, उनके परिवारों को लाभ, रोजगार गारंटी योजना के कामों की कमी, अनियंत्रित नगरसेवकों के हाथों में सत्ता के कारण शहर दस साल पीछे चला गया। आगामी चुनावों में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को विकास का एजेंडा लेना चाहिए और लोगों तक पहुंचना चाहिए। इस तरह का प्रतिपादन पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले द्वारा स्थानिक भाजपा कार्यालय में ग्राम पंचायत के पूर्व चुनाव की नियोजन सभा में व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भंडारा गोंदिया के संघटन मंत्री वीरेंद्र अंजनकर, तहसील अध्यक्ष अरविंद शिवणकर, नामदेव कापगते, डॉ.गजानन डोंगरवार, रघुनाथ लांजेवार, चामेश्वर गहाणे, पूर्व जिप उपाध्यक्ष रचना गहाणे, पूर्व जिप सभापती उमाकांत ढेंगे, शिवनारायण पालीवाल, देवेंद्र टेंभरे उपस्थित थे।

सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह

गोंदिया– जिला बाल संरक्षण कक्ष गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती ३ जनवरी को जिला महिला व बाल विकास कार्यालय में जिला महिला व बाल विकास अधिकारी तुषार पौनीकर की प्रमुख उपस्थित में मनाई गई। जिले की सड़क अर्जुनी तहसील में ग्राम पंचायत कार्यालय हुंडा, तिरोडा तहसील की ग्राम पंचायत कार्यालय पांजरा व देवरी तहसील के ग्राम पंचायत कार्यालय लोहरा में क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बाल न्याय अधिनियम २०१५ बालविवाह, बालमजुरी, दत्तकविधान तथा गांवस्तर में ग्राम बालसंरक्षण समिती की रचना कर्तव्य व जाबाबदारी आदि विषयों पर जनजागृती व मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला महिला व बाल विकास कार्यालय तथा जिला बाल संरक्षण कक्षा के अधिकारी कर्मचारी सहित ग्राम पंचायत के सरपंच, सदस्य, सचिव, तंटामुक्त ग्राम समिती के अध्यक्ष, अंगणवाडी सेविका व मतदाता ग्राम बाल संरक्षण समिती के सदस्य तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

जिजाऊ माँ साहेब व स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई

गोंदिया- पुलिस अधिक्षक कार्यालय गोंदिया में १२ जनवरी को पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के हस्ते जिजाऊ माँ साहेब व स्वामी विवेकानंद के जयंती अवसर पर प्रतिमा में माल्यर्पण कर अभिवादन व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिक्षक सहित पुलिस निरीक्षक उद्धव डमाले, सहायक पुलिस निरीक्षक प्रदिप अतुलकर तथा पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

आचार्य बाल शास्त्री जांभेकर को किया याद

संवाददाता आमगांव– मराठी अखबार के जनक आचार्य बाल शास्त्री जांभेकर के जयंती पत्रकार दिवस के उपलक्ष्य में तहसील पत्रकार संघ की ओर से स्थानीय आदर्श विद्यालय में स्थित भवभुती शिक्षण संस्था के शिक्षक सहकारी पत संस्था कार्यालय में मनाई गई।

पत्रकार दिवस के अवसर पर कायक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष - पत्रकार इसुलाल भालेकर द्वारा की गई। उसी प्रकार पत्रकार इसुलाल भालेकर ने आचार्य बाल शास्त्री जांभेकर के छायाचित्र के समक्ष दिप प्रज्वलित कर माल्यर्पण किया। कार्यक्रम में तहसील पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष झेड. एस.बोरकर, कोषाध्यक्षा सुनिल क्षिरसागर, सचिव राधाकिशन बुटे, सहसचिव - राजीव फुंडे,.प्रचार प्रमुख आनंद शर्मा सदस्य सुनिल पडोले, यशवंत मानकर, नरेंद्र कावडे, महेश मेश्राम, रेखलाल टेंभरे, दिनेश शेंडे, आदि पत्रकार उपस्थित थे। उपस्थित सभी पत्रकारो ने आचार्य बाल शास्त्री जांभेकर को जयंती के अवसर पर अभिवादन व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन झेड. एस. बोरकर व आभार प्रदर्शन सुनिल पडोले ने किया।

पत्रकार संविधान का चौथा स्तंभ-बबलू कटरे

गोंदिया- पत्रकार संविधान का चौथा स्तंभ है और संविधान उनके सामाजिक कार्यों के कारण जीवित है। इस तरह का संबोधन ओबीसी संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष बबलू कटरे द्वारा व्यक्त किया गया। बालश्री जांभेकर के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित पत्रकार दिवस कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। हलबीटोला में अर्धनारेश्वरालय हॉल में पत्रकार दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। भारत के इतिहास में पत्रकारों ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर उन्होने उपस्थित पत्रकारों को पत्रकार दिवस की शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

आंगन में रखी बाईक चोरी

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गोविंदपुर जोगलेकर वार्ड निवासी फर्यादी विरेंद्र मेश्राम (२३) ने अपनी दुपहिया क्रमांक एमएच ३५ एल. ७०८६ किमत ५० हजार रुपए को घर के आंगन के सामने खड़ा किया था। लेकिन इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी की मोटर सायकल लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कोठे से ३२ बकरियों की चोरी

जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में इन दिनों बकरी चोरी करने का गिरोह सक्रिय रुप से काम कर रहा है। जिसके चलते पिछले कई दिनों से बकरी चोरी करने के मामले लगातार सामने आ रहे है। जिससे अब बकरी पालन करनेवालो की चिंता बढ़ गई है। ऐसा ही एक मामला डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत सामने आया जहां ग्राम बिर्री/सिंधीपार निवासी फर्यादी ताराचंद घुशीराम डोंगरवार (४०) के बकरियों के कोठे को अज्ञात चोरो ने निशाना बनाया तथा रात्री में सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी के कोठे से कुल (३२) बकरे, बकरियों व उनके मेमनों को लेकर फरार हो गए। जिसकी किमत १ लाख ३२ हजार रुपए बताई गई। शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरो के खिलाफ डुग्गीपार थाने में धारा ३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार चौधरी कर रहे है।

लोहे की रॉड से हमला

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले फुलचुर नाका नया आरटीओ ऑफिस के पीछे दो आरोपियों ने आपसी में सांठगांठ कर फर्यादी के घर पहुंचते हुए किसी पुराने मामले के विवाद को लेकर गाली-गलौच करते हुए लोहे की रॉड से हमला कर फर्यादी को घायल कर दिया। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी पारस प्यारेलाल पाटिल (३०) अपनी मा के साथ घर में था। इसी दौरान आरोपी अपने अन्य साथी के साथ उसके घर में प्रवेश कर मेरे खिलाफ डाली रिपार्ट वापस ले ऐसा कहते हुए गाली-गलौच कर रहा था। जिसपर फर्यादी ने विरोध जताया जिसे लेकर आरोपी के साथ मौजुद दुसरे अन्य आरोपी ने फर्यादी का हाथ पकड़ा तथा आरोपी ने लोहे की रॉड से फर्यादी के आंख के समीप वार करते हुए घायल कर दिया तथा भविष्य में आगे देखने की धमकी दी। फर्यादी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत व डॉक्टरी परिक्षण के अहवाल पर उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ धारा ३२४,५०४,५०६,३४ के तहत मामला दर्ज किया है। मामले के आगे की जांच पुलिस कर्मी संतोष शेंडे कर रहे है।

हिस्से बटवारे को लेकर मारपीट

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम नवरगांव निवासी फर्यादी विद्या सुनिल गजघाट (२९) तथा आरोपी के बीच हिस्से बटवारे को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। जिसके चलते आरोपी ने फर्यादी तथा मंगला प्रकाश गजघाट (३२) निवासी नवरगांव पर बांस की लाठी से हमला कर घायल कर दिया तथा भविष्य में दुबारा और मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा ३२४, ५०४, ५०६ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तेरवी भोज से १७४ लोगो का स्वास्थ्य खराब

अर्जुनी मोरगांव - ग्राम देऊलगांव निवासी सूरदास वासुदेव झोले के घर ७ जनवरी को शाम के दौरान तेरवी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग २ हजार लोगो ने भोजन किया। लेकिन भोजन के पश्चात १७४ लोगो का स्वास्थ्य खराब हो गया तथा उन्हे उल्टी व दस्त की शिकायत शुरु हो गई। जानकारी मिलने पर ग्रामीण चिकित्सालय चान्ना बाकटी के डॉक्टर कुंदन कुलसंगे व उनके सहयोगी देवलगांव में पहुंचकर उपरोक्त लोगो पर उपचार किया गया तथा छुट्टी दी गई। वहीं भोजन के दौरान ज्यादा गंभीर हालत वाले ९ लोगो का उपचार ग्राम पंचायत कार्यालय में किया जा रहा है।

पत्रकार दिवस मनाया

अर्जुनी मोरगांव- एक सच्चा पत्रकार गांव से आता है। खोजी पत्रकारिता की खबर इस गांव के साथ-साथ अन्य गांव में भी अच्छी है। उक्त प्रेस दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन अरविंद शिवंकर ने किया तथा अध्यक्षता रचना गहाणे ने की। इस अवसर पर आचार्य बालशास्त्री जांभेकर को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा तहसील के ग्रामीण चिकित्सालय के सभी रोगियों को फल और बिस्कुट वितरित किए गए।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

गोंदिया रामनगर निवासी फर्यादी की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा २९४, ५०६, ३४ के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार फर्यादी के मोबाईल पर फोन कर पी.एन.बी. मेटलाईफ के इंशुरंश नुतनीकरण हेतु ११ लाख ३५ हजार १६६ रुपए दिए लेकिन नुतनीकरण नही करते हुए आरोपी द्वारा फर्यादी के साथ धोखाधड़ी की गई। जिसकी शिकायत फर्यादी ने रामनगर थाने में दर्ज करवाई है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

आवश्यकता है

गोशाला में गो-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

३ वर्ष में पूरा होगा गोसीखूर्द प्रकल्प

संवाददाता पवनी - गोसीखुर्द यह महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय प्रकल्प है। जो तीन वर्ष में अर्थात २००३ तक पूर्ण किया जाएगा। इसलिए पर्याप्त निधि दी जाएगी। नागरिकों के पुनर्वसन व रोजगार निर्मित को प्राथमिकता दें. यह निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने संबंधित अधिकारियों को दिए। वह शुक्रवार ८ जनवरी को गोसीखुर्द प्रकल्प का जायजा लेने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने विदर्भ सिंचाई विकास महामंडल की स्थिति को जाना। यहां मौजुद जल विद्युत प्रकल्प को भेंट दी। मुख्यमंत्री ठाकरे ने बैठक विदर्भ के समुद्धी महामार्ग के विकास कार्यों का जायजा लिया। इन सभी प्रकल्पों को निधि की आवश्यकता है। राज्य की आर्थिक स्थिति को देखते हुए नियोजन कर बाधाओं को दुर करने का प्रयास किया जाएगा। इस समय विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडल के कार्यकारी संचालक मोहिते, प्रकल्प के अधीक्षक अभियंता अंकुर देसाई ने प्रस्तुतीकरण करते हुए बताया कि पुनर्वसन ग्रामों की आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान दिया जाएगा। प्रकल्प का काम भले की ही पूर्ण हो चुका हो किंतु चंद्रपुर व नागपुर तथा भंडारा नहरों के काम के लिए ४९५ हेक्टेयर क्षेत्र का भूसंपादन करना जरुरी है। इसमें ९६ हेक्टेयर सीधे तरीके से तो ४०७ हेक्टेयर भूसंपादन कानून के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए ८ माह का समय लगेगा। इस प्रकल्प के कारण ८५ ग्राम बाधित होंगे तथा संपूर्ण गांवो का पुनर्वसन किया जाएगा। बाधित गांवो में नागपुरे जिले के ५१ तथा भंडारा जिले के ३४ गांवो का समावेश है। इस समय विधायक राजु कारेमोरे, नरेंद्र भोंडेकर, राजू पारवे, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार अजोय मेहता, जलसंपरदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजय कुमार गौतम, विभागीय आयुक्त डॉ. संजीवकुमार विशेष पुलिस जलसंपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजय कुमार गौतम, विशेष पुलिस महानिरिक्षक विरेजिवी प्रसाद विदर्भ पाटबंधारे विकास महामंडल के कार्यकारी संचालक राजेंद्र मोहिते, अधीक्षक अभंता अंकुर देसाई उपस्थित थे।

नाग नदी से प्रदुषण रोकने नियोजन करें -मुख्यमंत्री

गोसीखुर्द प्रकल्प के पानी में नाग नदी के पानी से होनेवाले प्रदुषण पर मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि जल प्रदुषण न हो इस पर ध्यान देना जरुरी है। नाग नदी से होनेवाले जल प्रदुषण को रोकने गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। नाग नदी से होनेवाले प्रदुषण पर दीर्घकालीन नियोजन तैयार करने की सूचना मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दी।

सीएम ने प्रवासी पंक्षीयों का किया निरिक्षण

भंडारा- मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि पक्षी निरीक्षण पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण साबित हो सकता है। नागपुर के गोरठेवाड़ा परिसर में २२५ से अधिक पक्षी है। बेहद अल्प समय के लिए जिले के गोसीखुर्द प्रकल्प का जायजा लेने पहुंचे राज्य के मुख्यमंत्री ठाकरे ने प्राकृतिक घटको की जानकारी लेकर पंक्षियों के संवर्धन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ठाकरे ने शुक्रवार को पवनी तहसील के प्रकल्पस्थल को भेंट दी। इस समय वन परिक्षेत्र अधिकारी पांडुरंग पाखले ने पक्षी संपदा को जुडी जानकारी दी। यहां आनेवाले अलग-अलग पक्षियों की विशेषताएं बताई। मुख्यमंत्री ने गहरी रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री ने चीन, दक्षिण आफ्रिका, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश से आनेवाले पक्षियों की जानकारी ली। इस समय उन्हें बगुला खंड्या, ढोकरी, तुगीया आदि पक्षी की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने स्वय ५० अधिक पक्षियों का निरिक्षण किया। अमोर फॉल्कन पक्षी की विस्तृत जानकारी ली। वनपरिक्षेत्र अधिकारी पाखले ने मुख्यमंत्री को गोरेवाडा में पक्षी निरीक्षण के लिए न्यौता दिया। मुख्यमंत्री पर्यावरण प्रेमी है तथा वन्यजीवों के प्रति विशेष लगाव है।

कृषि पंपो को सौर ऊर्जा द्वारा बिजली वितरण

मुंबई- मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के किसानों को विश्वसनीय लागत प्रभावी और दिन-प्रतिदिन बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए सौर उर्जा के साथ कृषि पंप बिजली कनेक्शन के विद्युतीकरण को मंजूरी दी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा की गई। केंद्र सरकार के कुसुम महा अभियान के कार्यान्वयन के साथ एक लाख सौर पंप स्थापित किए जाएंगे। एक लाख सोलर पंप के निर्माण पर १९६९.५० करोड़ रुपये की लागत आने की उम्मीद जताई गई तथा ३० प्रतिशत या ५८५ करोड़ रुपये केंद्र द्वारा और १७३ करोड़ रुपये लाभार्थियों द्वारा प्रदान किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा १२११ करोड़ प्रदान किए जाएंगे। परिणामस्वरुप अगले पांच वर्षों के लिए ४३६ करोड़ रुपए के बजट आबंटन और ७७५ करोड़ रुपए के अतिरिक्त बिजली बिक्री कर के माध्यम से धन जुटाने को मंजूरी दी गई। उक्त योजना को महाऊर्जा के माध्यम से लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसानां के लिए प्रधान मंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाभियान (कुसुम) नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा तीन घटकों के तहत राज्य में लागू किया जाएगा।

पानी का उचित नियोजन करें : पालकमंत्री

गोंदिया- जिले में पानी वितरण संस्था द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। लेकिन पानी टैक्स के काम व्यवस्थित होना जरुरी है। जनप्रतिनिधियों की सूचना का पालन कर सहयोग से पानी का उचित नियोजन किया जाए। जिससे किसानों को रबी धान की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। सिंचाई के लिए पानी का उचित उपयोग करे। इस तरह का निर्देश पालकमंत्री व समिति अध्यक्ष अनिल देशमुख ने बाघ प्रकल्प की नहर सलाहकार समिति की जिलाधीश कार्यालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की ओर से आयोजित बैठक में दिए है। बैठक में नगर सलाहकार समिति के सोनटक्के ने बताया कि इस प्रकल्प की गोदावरी नदी अंतर्गत वैनगंगा उप नदी गोंदिया जिले की सालेकसा तहसील में बाघ नदी पर सिरपुर जलाशय पूजारीटोला में बांध व कालीसराड में जलाशय है। प्रकल्प पर कुल ३५ हजार ७१८ हेक्टेयर, सिंचाई क्षमता का निर्माण किया गया है। इसमें तहसील निहाय गोंदिया १७ हजार ८५९ हेक्टेयर, सालेकसा ७१४४ हेक्टेयर तथा आमगांव में १० हजार ७१५ हेक्टेयर का समावेश है। इन प्रकल्पों के माध्यम से मुख्यत: धान की फसल ली जाती है। कार्यकारी अभियंता भिवगडे ने बताया कि २१ दिसंबर २०२० को उपलब्ध जलसंग्रह सिरपुर १४०.०७, पुजारीटोला ३०.५१, कालीसरड १९.५३, दलघमी इस तरह कुल १९०.११ दलघमी है। बकॉरी ओवर १७.०० व पीने के लिए आरक्षित पानी का संग्रह ७. ४५४ इस तरह कुल १९०.११ दलघमी है। इससे कम से कम ९९.१३ दलघमी पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध है। महाराष्ट्र के लिए ७४.३५ तथा मध्यप्रदेश के लिए २४. ७८ दलघमी पानी का नियोजन किया गया है। सभा में भिवगडे ने जानकारी देते बताया कि इसमें से गोंदिया शहर के पीने के पानी के लिए १०.०० दलघमी पानी आरक्षित किया गया है।

सिंचाई हेतु ६४ दलघमी पानी उपलब्ध

जिसमें ६४.३५ दलघमी पानी महाराष्ट्र की सिंचाई के लिए उपलब्ध होगा। तहसीलनुसार प्रस्तावित सिंचाई के लक्ष्य में गोंदिया १९८० हेक्टेयर, आमगांव ११८८ हेक्टेयर व सालेकसा ७९२ हेक्टेयर इस तरह कुल ३९६० हेक्टेयर का नियोजन किया गया है। जिले के लाभार्थियों को रबी मौसम में गांव व मायनर निहाय नियोजन संबंधित शाखा कार्यालय मे देखने के लिए मिलेगा। बैठक में जिलाधिश दिपक कुमार मीणा, भंडारा सिंचाई मंडल अधिक्षक अभियंता संचिव आर.आर. सोनटक्के, कार्यकारी अभियंता डी.बी. भिवगडे, जिला अधिक्षक कृषि अधिकारी गणेश धोरपडे, मजीप्रा के कार्यकारी अभियंता चंद्रिकापुरे उपस्थित थे।

जिले में बाईक चोर गिरोह सक्रिय

दो बाईक चोर पकड़ाये। तीन बाईक चोरी की बात कबूली

गोंदिया- शहर के साथ-साथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में बाईक चोरी किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे थे। जिसके चलते पुलिस भी बाईक चोरी करनेवाले गिरोह का सरगर्मी से पता लगाने में जुटी थी। इसी दौरान शुक्रवार को गोंदिया के उपविभागीय अधिकारी जगदीश पांडे को गुप्त जानकारी प्राप्त हुई कि मोटर सायकलों की चोरी करनेवाले कुछ व्यक्ति गोंदिया ग्रामीण की सीमा में घुम रहे है।

उक्त खबर की पुष्टि करने हेतु उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय के अधिकारी तथा कर्मचारियों का एक पथक मोटर सायकल चोरो के गिरोह का पता लगाने गोंदिया ग्रामीण की सीमा में भेजा गया। पुलिस को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर ग्राम आसोली निवासी रुपेश उर्फ रफ्तार रामटेके (२३) तथा बटना निवासी सुमित सहेषराम बागडे (१९) को हिरासत में लिया गया तथा मोटर सायकल चोरी किए जाने के घटना के संदर्भ में पुछताछ जारी की जिसमें आरोपियों ने अपना गुन्हा कबूल किया तथा तीन मोटर सायकल चोरी करने की बात कबूल की। आरोपियों के पास से चोरी की गई मोटर साकल पुलिस ने जब्त कर ली है। आगे की कार्यवाई करने के लिए आरोपियों को तिरोड़ा पुलिस को सौंपा गया है। उक्त कार्यवाई पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी के मार्गदर्शन में उपविभागीय पुलिस अधिकारी जगदीश पांडे , सहायक पुलिस निरीक्षक दिलीप कुंदोजवार, सहायक उपनिरिक्षक उमराव शरणागत, पुलिस कर्मी खेमराज बोधनकर, प्रकाश गायधने, अशोक अंबरवाडे, दुर्गाप्रसाद कनोजे, सुधीर भालाधरे, महिला पुलिस कर्मी ज्योति बांगरे तथा पुलिस हवलदार अशोक कांबले द्वारा की गई।

धान मिलिंग प्रकरण के दोषियों पर करे कार्यवाई

गोंदिया- जिले में धान मिलिंग में हुए भ्रष्टाचार की जांच की गई। उक्त जांच का अहवाल विभाग के संबंधित अधिकारी को दिया गया है। लेकिन अब तक प्रकरण के दोषियों पर कार्यवाई नही की गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए विधायक परिणय फुके ने केंद्र शासन के अन्न व आपूर्ति विभाग के सचिव सुधांशु पांडे से भेंट कर संबंधित प्रकरण के अहवाल के अनुसार कार्यवाई करने की मांग कर ज्ञापन ७ जनवरी को सौंपा गया। ज्ञात हो कि जिले में बडे पैमाने पर धान की फसल किसानों द्वारा ली जाती है। यह धान शासन के जिला मार्केटिंग फेडरेशन के साथ ही आदिवासी विकास महामंडल के माध्यम से संचालित केंद्र में खरीदी जाती है। खरीदी किए गए धान को मिलिंग के लिए जिले के राइस मिलर्स को दिया जाता है। लेकिन राइस मिलर्स के माध्यम से धान मिलिंग के नाम पर भ्रष्टाचार मामला पूर्व में भी हुआ है। जिसे लेकर जिले के आपूर्ति अधिकारी द्वारा धान मिलिंग में किए गए अनियमितता की जांच कर सितंबर २०२० में केंद्र शासन ने जांच समिति गठित की थी। जांच समिति ने अपना अहवाल दिए जाने के बाद भी अब तक किसी भी तरह की कार्यवाई नही की गई है। जिसे लेकर ७ जनवरी को विधायक परिणय फुके ने नागपुर में केंद्र शासन के खाद्य विभाग के सचिव से भेंट कर कार्यवाई करने की मांग की है।

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।